Class 11 Hindi Aroh Important Questions Chapter 2 - Miyan Nasiruddin | मियाँ नसीरुद्दीन

प्रश्न 1:
'मियाँ नसीरुददीन' पाठ का प्रतिपादय बताइए।

उत्तर-
मियाँ नसरुददीन शब्दचित्र हम-हशमत नामक संग्रह से लिया गया है। इसमें खानदानी नानबाई मियाँ नसीरुद्दीन के व्यक्तित्व, रुचियों और स्वभाव का शब्दचित्र खींचा गया है। मियाँ नसीरुद्दीन अपने मसीहाई अंदाज़ से रोटी पकाने की कला और उसमें अपने खानदानी महारत को बताते हैं। वे ऐसे इंसान का भी प्रतिनिधित्व करते हैं जो अपने पेशे को कला का दर्जा देते हैं और करके सीखने को असली हुनर मानते हैं।

प्रश्न 2
मियाँ नसीरुद्दीन के मन में कौन-सा दर्द छिपा है?

उत्तर-
मियाँ नसीरुद्दीन को लोगों की बदली रुचि से दुख है। पहले लोग कला की कद्र करते थे। वे पकाने वाले का सम्मान भी करते थे। अब जमाना बहुत तेजी से बदल रहा है। कमाने के साथ चलने की होड़ मची है। ऐसे में खाने वाला और पकाने वाला दोनों जल्दी में हैं। इस दृष्टिकोण के कारण देश की पुरानी कलाएँ दम तोड़ रही हैं।

प्रश्न 3:
अखबार वालों के प्रति मियाँ नसीरुददीन का दृष्टिकोण कैसा है?

उत्तर-
मियाँ नसीरूददीन का मानना है कि अख़बार छापने वाले व पढ़ने वाले-दोनों बेकार होते हैं। ये वक्त ख़राब करते हैं। वे खबरों को मसाला लगाकर छापते हैं। मियाँ अखबार पढ़ने से ज्यादा महत्व काम को देते हैं। वे अखबारों की खोजी प्रवृत्ति से भी चिढ़ते हैं।

प्रश्न 4
मियाँ नसीरुददीन के अनुसार सच्ची तालीम क्या है?

उत्तर-
मियाँ नसीरुद्दीन के अनुसार सच्ची तालीम व्यावहारिक प्रशिक्षण है। यदि वे बर्तन माँजना, भट्टी सुलगाना नहीं सीखते तो वे अच्छे नानबाई नहीं बन पाते। केवल कागजी या जवानी बातों से काम नहीं सीखा जाता है। शिक्षा को अपनाना अधिक महत्त्वपूर्ण है।

प्रश्न 5
मियाँ ने पढ़ाई के कितने तरीके बताए हैं।

उत्तर-
मियाँ ने पढ़ाई के दो तरीके बताएँ हैं पहला किताबी, दूसरा व्यावहारिक। पहले तरीके में उस्ताद चेले को एक एक शब्द का उच्चारण करवाकर पढ़ाता है। दूसरे तरीके में काम करते हुए सिखाया जाता है। इसमें छोटे काम पहले करवाए जाते हैं, फिर बड़े काम सिखाए जाते है।

https://www.evidyarthi.in/